भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 557

12.04.2017 को दिया जाने वाला उत्तर

गैर-किरायागत राजस्व

***557. श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेल विभाग ने गैर-किरायागत राजस्व बढ़ाने के लिए स्टेशनों पर निकलने वाले कचरे के निपटान की एक योजना शुरू की है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) भारी मात्रा में निकलने वाले इस कचरे का उपयोग विद्युत-उत्पादन करने के लिए रेल विभाग द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या रेलवे से निकलने वाले स्क्रैप की मात्रा में वृद्धि होने के बावजूद, लौहयुक्त व अलौहयुक्त स्क्रैप सामग्री की नीलामी से प्राप्त राजस्व की मात्रा घटी है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और स्क्रैप सामग्री की नीलामी से प्राप्त राजस्व में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल मंत्री (श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

गैर-किरायागत राजस्व के संबंध में 12.04.2017 को लोक सभा में श्री चन्द्र प्रकाश जोशी द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं.557 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): जी नहीं। रेलवे द्वारा शुरू की गई किसी भी योजना का इरादा अथवा मूल उद्देश्य कचरे अथवा अपशिष्ट के निपटान हेतु एक राजस्व सृजन करना नहीं है। कचरे को इकट्ठा किया जाता है और इसका निपटान नगर निगम/नगरपालिका जैसे स्थानीय निकायों द्वारा निर्धारित किए गए स्थानों पर किया जाता है। कचरे का अंतिम रूप से निपटान नगर निगम/नगरपालिका जैसे स्थानीय निकायों द्वारा ही किया जाता है।

रेलवे ने पर्यावरण अनुकूल तरीके से मुख्य रेलवे टर्मिनलों पर इकट्ठा हो रहे म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) के निपटान हेतु एक प्रायोगिक परियोजना का भी प्रस्ताव किया है, जिनमें कचरे को अलग-अलग करना और बायो-डीग्रेडेबल कचरे का ऊर्जा (बायो मेथेनेशन) में परिवर्तन करना शामिल है। उपरोक्त बायो-मेथेनेशन प्रक्रिया में सृजित बायो-गैस का विद्युत सृजन में उपयोग किया जा सकता है अथवा सीधे ही ईंधन के रूप में इसका उपयोग किया जा सकता है।

मूल उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल तरीके से कचरे का निपटान करना है और राजस्व का सृजन करना नहीं है।

(ग): जी नहीं। 2015-16 की तुलना में 2016-17 के दौरान स्क्रैप की मात्रा (लौह और अलौह स्क्रैप) और स्क्रैप की बिक्री से सृजित कुल राजस्व दोनों में ही कमी आई है, जो निम्नानुसार है:

वर्ष	बेचे गए लौह और अलौह स्क्रैप की मात्रा	स्क्रैप की बिक्री से कुल राजस्व
2015-16	1362067	2801 करोड़ रुपए
2016-17	1183986	2718 करोड़ रुपए

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

*****